



नई सोच, नया आयाम

RNI No. CHHIN/2009/35020

जोहर छत्तीसगढ़

देविक हिन्दी



पेज -8 पर

पेज -4 पर

झारखण्ड प्रदेश से आए,
विधायक समरीलाल के ...

◆ वर्ष: -15 ◆ अंक: 299

डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्य: 3 ₹ ◆ पृष्ठ: 8

धरमजयगढ़, शुक्रवार 25 अगस्त 2023

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in

पाटन में विजय बघेल नहीं बल्कि ईडी व आईटी लड़ेंगे चुनाव-भूपेश बघेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इन दिनों ईडी और आईटी की जोरदार चर्चा है। चर्चा इसलिए नहीं कि वे तावड़ोड़ छापे मार कारबाही कर रहे हैं बल्कि चर्चा इसलिए है कि वे रही है क्योंकि उन छापों में उन्हें कव्य मिल रहा है यह पता नहीं चलता। बुखार को सीएम भूपेश बघेल के ओसेडी व राजनीतिक सलाहकार के यहाँ ईडी पहुंच गई। अब इस मामले में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का



एकशन आया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा प्रजातात्त्विक ढंग से चुनाव नहीं लड़ा चाहती। पाटन में भी विजय बघेल नहीं बल्कि ईडी व आईटी चुनाव लड़ेंगे।

कांग्रेस पार्टी के ऑफशियल टिकट हैं पर वे विडियो शेयर किया गया है जिसमें सीएम बघेल बता रहे हैं कि ईडी क्या करती है। सीएम बघेल ने कहा कि ED करती क्या है? ED के

छापा डाला, फिर ED की ईडी है। अगे अब सीधी आई भी आ सकती है। इनका उद्देश्य सिर्फ सरकार को बदनाम करना है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की रोकी वाद भी ईडी वहले नोएडा में एकआईआर करते हैं और उसके बाद छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में सीधीआई जांच की मांग करते हैं। इसका मतलब साफ़ है कि ईडी खुद को सक्षम नहीं मानती।

एक नजर

मुख्यमंत्री ने दी संस्कृत साक्षात् की शुभकामनाएं



रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यालयमें दौरान संस्कृत साक्षात् आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है। संस्कृत भाषा का प्रभाव भारतीय भाषाओं में ही नहीं अपितु अन्य भाषाओं में भी पारिश्रान्ति होता है। भारतीय विरासत के सहेजकर एवं संयोजक रूप से संस्कृत भाषा का विशेष योग्यता है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने संस्कृत साक्षात् के दौरान संस्कृत विद्यालयों में संस्कृत पर केन्द्रित कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी है।

डॉ. प्रेमसाया सिंह टेकाम राज्य योजना आयोग के अध्यक्ष नियुक्त



रायपुर। राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री के स्थान पर विधायक डॉ. प्रेमसाया सिंह टेकाम को राज्य योजना आयोग छत्तीसगढ़ की अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। शासन द्वारा इस संबंध में आज यहाँ मंत्रालय से आदेश जारी कर दिया है। योजना, अधिक एवं सार्वाधिकी विभाग द्वारा जारी आदेश में उल्लेखित किया गया है कि "मानवीय मुख्यमंत्री जो अथवा उनके द्वारा नामांकित व्यक्ति" को राज्य योजना आयोग, छत्तीसगढ़ का "अध्यक्ष" नियुक्त करना का प्रावधान किया गया है।

सीएम के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा ने कहा मैंने सभी बिल दिए फिर भी ईडी ने सोना जब्त किया, ये डकैती है

जोहर छत्तीसगढ़ - रायपुर।

सीएम भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर ईडी के छापे पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मैंने अपने धर से दरामद सोने के सभी बिल पेश कर दिए हैं। फिर भी ईडी ने यह कहते हुए सोना जब्त कर दिया कि यह सत्यापित करने के लिए आपके पास कोई पुरुखा सबूत नहीं है कि सोना कहाँ से खरीदा गया था।

वे आईपीसी और सीआरपीसी को फिर से परिभाषित कर रहे हैं। वर्मा ने



ईडी पर बड़ा आरोप लगाते हुए उसका एक-एक का बिल दिया कहा कि ये मेरे धर के छापे पर उन्होंने कहा कि ईडी ने यह उसमें भी मैंने यह दर्द करवाया है कि आप मुझे प्रतिरोधित कर रहे हैं और जो कुछ भी आप कर रहे हैं और उनकी है, लूट है। जितना सोना मेरे धर में मिला है वह 2005 में मैंने पैने खरीदी था। मैं उसमें तभी खरीदे लायक हो पाया था मैंने साल 2005 से 2023 तक जितना भी सोना खरीदा, उसका एक-एक का बिल दिया है। प्रिंसिपल ने उसमें ये साफ-साफ लिखा हुआ है। जब मैंने पूछा कि कितना सोना रख सकता है धर एकत्र में है ईडी बोली कि ये आईटी एकत्र में हैं तो नहीं हैं। उन्होंने कहा कि आप मुझे संतुष्ट नहीं कर पा रहे हैं, तो मैंने कहा कि मैं आपको कैसे संतुष्ट कर सकता हूं।

सीआरएस निरीक्षण करने अंतागढ़ पहुंचे, चरोदा में डीजल इंजन पटरी से उतरने की खबर है।

रायपुर। आज रेल संरक्षा आयुक्त (CRS) स्पीड ट्रायल रन के निरीक्षण करने अंतागढ़ पहुंचे हैं।

लेकिन इसी बीच चरोदा में डीजल के पटरी से उतरने की खबर है।

जानकारी के मुताबिक याड़ी में ये हादसा हुआ है, जिसकी जाकारी विभाग के तमाम अधिकारियों की सौंपी दी गई है।

बता दें कि दक्षिण पवर मथुरा रेल मंडल के तहत महत्वपूर्ण परियोजना दली राजहरा-रावधानी में अब दली राजहरा के आगे अंतागढ़ तक ट्रेन दौड़ रही है, इससे स्थानीय लोगों को लाभ मिल रहा है। इसी कड़ी में रावधानी में कायाकल्प-आयुष का इन्द्रेशन द्वारा जिला रेलवे लेलाइन के विस्तार का काम पूरा किया गया है।

रेलवे लेलाइन के विस्तार का काम

अंतागढ़-तारोकी खंड में करीब 17.50 किलोमीटर पूरा हो चुका है, यह परियोजना आर्थिक व क्षेत्रीय विकास से बहुत ही अल्प है और इसीके में स्पीड ट्रायल रन के लिए अधिकारियों की टीम पहुंची है। रेल परियोजना के पहले चरण के तहत दली राजहरा से रावधानी तक 95 किलोमीटर ट्रैक की निर्माण किया गया है और अंतागढ़ तक 59 किलोमीटर लंबे मार्ग पर एक यात्री ट्रेन सेवा शुरू हो चुकी है। अब अंतागढ़ से केवल 17.50 किलोमीटर का काम पूरा किया गया है।

रेलवे लेलाइन के विस्तार के लिए आज यात्री ट्रेन सेवा देश में संस्कृत साक्षात् के लिए वित्तीय संस्थाओं के गुणवत्ता के बाबत चर्चा चर्चा की जा रही है।

कायाकल्प-आयुष

कायाकल्प-आयुष पुरस्कार समारोह में ये पुरस्कार वित्तीय संस्थाओं के गुणवत्ता के बाबत चर्चा चर्चा की जा रही है।

संस्कृत साक्षात् के लिए वित्तीय संस्थाओं में कायाकल्प-आयुष का इन पुरस्कारों के लिए चर्चा चर्चा की जा रही है।

कायाकल्प-आयुष

कायाकल्प-आयुष निर्देशन समारोह में ये पुरस्कार वित्तीय संस्थाओं के गुणवत्ता के बाबत चर्चा चर्चा की जा रही है।

कायाकल्प-आयुष

कायाकल्प-आयुष निर्देशन समारोह में ये पुरस्कार वित्तीय संस्थाओं के गुणवत्ता के बाबत चर्चा चर्चा की जा रही है।

कायाकल्प-आयुष

कायाकल्प-आयुष निर्देशन समारोह में ये पुरस्कार वित्तीय संस्थाओं के गुणवत्ता के बाबत चर्चा चर्चा की जा रही है।

कायाकल्प-आयुष

कायाकल्प-आयुष निर्देशन समारोह में ये पुरस्कार वित्तीय संस्थाओं के गुणवत्ता के बाबत चर्चा चर्चा की जा रही है।

कायाकल्प-आयुष

कायाकल्प-आयुष निर्देशन समारोह में ये पुरस्कार वित्तीय संस्थाओं के गुणवत्ता के बाबत चर्चा चर्चा की जा रही है।

कायाकल्प-आयुष

कायाकल्प-आयुष निर्देशन समारोह में ये पुरस्कार वित्तीय संस्थाओं के गुणवत्ता के बाबत चर्चा चर्चा की जा रही है।

कायाकल्प-आयुष

कायाकल्प-आयुष निर्देशन समारोह में ये पुरस्कार वित्तीय संस्थाओं के गुणवत्ता के बाबत चर्चा चर्चा की जा रही है।

कायाकल्प-आयुष

कायाकल्प-आयुष निर्देशन समारोह में ये पुरस्कार वित्तीय संस्थाओं के गुणवत्ता के बाबत चर्चा चर्चा की जा रही है।

कायाकल्प-आयुष

कायाकल्प-आयुष निर्देशन समारोह में ये पुरस्कार वित्तीय संस्थाओं के गुणवत्ता के बाबत चर्चा चर्चा की जा रही है।

क

कुदरत के कहर से आखिर कैसे बचेंगे पहाड़ी राज्य, जोखिम में जिंदगी और तबाह होती संपत्तियाँ

ब रसात के इन दिनों में हिमालयी ज़ुड़वां राज्य हिमालय प्रदेश और उत्तराखण्ड में आसमान से आफत बरस रही है। अतिवृष्टि से जहां-तहां तबाही मरी हुई है। हिमालय में अब तक 214 लोग जाने गंवा चुके हैं और 38 मलबे में कहाँ गुम हैं। वहां हाल उत्तराखण्ड का भी है। गत 15 जून से लेकर इन परिस्थितियों के लिये जाने तक आपदाओं में 100 से अधिक लोग जाने गंवा जा चुके हैं। हजारों की संख्या में छाटे-बढ़े पशु मारे जा चुके हैं और लगभग डेढ़ हजार छोटे-बड़े भवन पूर्ण या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं।

इनके अलावा चारधाम यात्रा में मरे गए 183 यात्री अलग हैं। अपदा संकट से ग्रस्त हिमालय प्रदेश के मुख्यमंडो सुखनिर्वासन का अनुमान है कि राज्य में कम से कम 10 हजार करोड़ की क्षति हो चुकी है और देश को दो-चार होमां ही पड़ता है। उत्तराखण्ड से हुए युक्तान से भारत, अपनी भू-संरचना और समय लग जाएगा। इसी तरह उत्तराखण्ड के मुख्यमंडो पुक्कर परिस्थितियों के कारण एक नहीं हुई अर्थात् क्षति को कम से कम 1000 रुपए आंका है। जबकि अभी मासमान पूरे योनव पर है और राज्य में पहाड़ से लेकर मैदान तक तबाही का सिलसिला जारी है। आपदा के इस दौर में उत्तराखण्ड से लेकर कर्मी और पर्यटन बुरी तरह प्रभावित हो गया है जिसका सीधा असर इन राज्यों की आर्थिक परिस्थिति है।

विश्वाल भारत में आपदाएं ही

आपदाएं

सबल केवल हिमालयी राज्यों का नहीं है। कर्मी से लेकर कन्याकुमारी और पूरब से लेकर पश्चिम तक सालभर किसी तरह की आपदा से हमरे देश को दो-चार होमां ही पड़ता है।

भारत, अपनी सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के कारण एक नहीं हुई अर्थात् क्षति को कम से कम 1000 रुपए आंका है। जबकि अभी मासमान पूरे योनव पर है और राज्य में पहाड़ से लेकर मैदान तक तबाही का सिलसिला जारी है। आपदा के इस दौर में उत्तराखण्ड से लेकर कर्मी और पर्यटन बुरी तरह प्रभावित हो गया है जिसका सीधा असर इन राज्यों की आर्थिक परिस्थिति है।

देश के 36 में से 27 राज्यों पर आपदाओं का खतरा



भूभाग मध्यम से बहुत उच्च तीव्रता के भूकंपों के प्रति संवेदनशील है। 12 प्रतिशत भूमि बाढ़ और नदी कटाव से संवेदनशील है। इन प्रतिशत भूमि में से 5,700 किमी हिमालय चक्रवात और सुनामी की दृष्टि से संवेदनशील है। देश की कुल खेती योग्य भूमि 68 प्रतिशत हिमालय और भूस्खलन की आग प्रमुख है।

पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन और हिमालय चक्रवात का खतरा बना रहता है और अब 15 प्रतिशत भूमाग भूस्खलन की चपेट में है। कुल

5,161 शहरी स्थानीय निकाय शहरी बाढ़ की दृष्टि से संवेदनशील हैं। भारत का भूगोल बाढ़ की दृष्टि से अर्थात् क्षति क्षेत्र में से 4 करोड़ वर्षेर से अधिक क्षेत्र बाढ़ संभवित हैं। बाढ़ बाढ़-बाढ़ आगे वाली घटना करती है और आजीविका प्रणालियों, संपत्ति, बुनियादी धार्वे और सार्वजनिक संविधानों को नुकसान पहुंचाती है।

हर साल हजारों करोड़ परिश्रम की लगती है चपेट

उत्तराखण्ड आपदा प्रवधन प्राधिकरण की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में बाढ़ की दृष्टि से भारत ताजा ताजा ताजा ताजा है। इसमें से भारत की 420 करोड़ डाल की क्षति भी शामिल है। जो कि आज की तारीख में 34851.39 करोड़ रुपयों में अंकी जा सकती है। आपदाओं से धन और जन की हानि

प्राकृतिक आपदाओं से क्षेत्र विशेष में जनजीवन के संकट के

जयसिंह रावत

संपादकीय

संसद में काम नहीं होता सुप्रीम कोर्ट ने होता है!

सुप्रीम कोर्ट में संविधान के अनुच्छेद 370 पर सुनवाई हो गई है और अभी तक सिर्फ याचिकाकर्ताओं के वकीलों को दलालें सुनी गई हैं। याचिकाकर्ताओं का मतलब है, जिन लोगों ने अनुच्छेद 370 हटाया जाने के कारण बुक्सर के अपादानों में याचिका की है। इसे हटाया जाने के साथ दोनों को वकीलों में याचिकाकर्ता की तरफ आया है।

सो, 20 से ज्यादा याचिकाकर्ता हैं, जिनमें अनुच्छेद 370 को हटाने का विरोध किया गया है। ये याचिकाकर्ता दायर करने वालों की तरफ से विरोध वकील विरोध, उत्तरांत देव जो दलालें रखते हैं। अब इसका समर्थन करने वाले याचिकाकर्ता का मतलब है। यह भारतीय संविधान में अपनाए गए न्यायिक पुनराविनोकन यानी न्यायिक समीक्षा की व्यवस्था का खलूसरूत उदाहरण है। लेकिन सबल है कि व्यायाम का अग्रह और राज्य के बावजूद अदालत में दायर की गई थी, लेकिन उसे अदालत ने खारिज कर दिया था।

सो, 20 से ज्यादा याचिकाकर्ता हैं, जिनमें अनुच्छेद 370 को हटाने का विरोध किया गया है। ये याचिकाकर्ता दायर करने वालों की तरफ से विरोध वकील विरोध, उत्तरांत देव जो दलालें रखते हैं। अब इसका समर्थन करने वाले याचिकाकर्ता का मतलब है। यह भारतीय संविधान में अपनाए गए न्यायिक पुनराविनोकन यानी न्यायिक समीक्षा की व्यवस्था का खलूसरूत उदाहरण है। लेकिन सबल है कि व्यायाम का अग्रह और राज्य के बावजूद अदालत में दायर की गई थी, लेकिन उसे अदालत ने खारिज कर दिया था।

सौदर्य और शीतलता, ताब और दाग के प्रतीक चंद्रमा पर 23 अगस्त के (धरती पर) सुर्योस्त के समय हुआ भारतीय विज्ञान का सूर्योदय इतिहास में स्वर्णपंच अक्षरों में दर्ज हो चुका है। इस बार समर्थन करने वाले याचिकाकर्ता की तरफ से विरोध वकील विरोध, उत्तरांत देव जो दलालें रखते हैं।

भारत के दिल में विश्वास तो था, लेकिन मन में हल्की सी धुक्कधुकी भी थी कि कहाँ 2019 वाला अनाहारा प्रसंग न दोहराया जाए।

लेकिन हमारे वैज्ञानिकों की प्रतीक्षा और संकलन ने उस अशुभ विचार के बावजूद अदालत की व्यायाम की व्यवस्था का अधिक लोगों के लिए भी अपनाए गए न्यायिक पुनराविनोकन यानी न्यायिक समीक्षा की व्यवस्था का खलूसरूत उदाहरण है। लेकिन सबल है कि व्यायाम का अग्रह और राज्य के बावजूद अदालत में दायर की गई थी, लेकिन उसे अदालत ने खारिज कर दिया था।

लेकिन हमारे वैज्ञानिकों की प्रतीक्षा और संकलन ने उस अशुभ विचार के बावजूद अदालत की व्यायाम की व्यवस्था का अधिक लोगों के लिए भी अपनाए गए न्यायिक पुनराविनोकन यानी न्यायिक समीक्षा की व्यवस्था का खलूसरूत उदाहरण है। लेकिन सबल है कि व्यायाम का अग्रह और राज्य के बावजूद अदालत में दायर की गई थी, लेकिन उसे अदालत ने खारिज कर दिया था।

लेकिन हमारे वैज्ञानिकों की प्रतीक्षा और संकलन ने उस अशुभ विचार के बावजूद अदालत की व्यायाम की व्यवस्था का अधिक लोगों के लिए भी अपनाए गए न्यायिक पुनराविनोकन यानी न्यायिक समीक्षा की व्यवस्था का खलूसरूत उदाहरण है। लेकिन सबल है कि व्यायाम का अग्रह और राज्य के बावजूद अदालत में दायर की गई थी, लेकिन उसे अदालत ने खारिज कर दिया था।

लेकिन हमारे वैज्ञानिकों की प्रतीक्षा और संकलन ने उस अशुभ विचार के बावजूद अदालत की व्यायाम की व्यवस्था का अधिक लोगों के लिए भी अपनाए गए न्यायिक पुनराविनोकन यानी न्यायिक समीक्षा की व्यवस्था का खलूसरूत उदाहरण है। लेकिन सबल है कि व्यायाम का अग्रह और राज्य के बावजूद अदालत में दायर की गई थी, लेकिन उसे अदालत ने खारिज कर दिया था।

लेकिन हमारे वैज्ञानिकों की प्रतीक्षा और संकलन ने उस अशुभ विचार के बावजूद अदालत की व्यायाम की व्यवस्था का अधिक लोगों के लिए भी अपनाए गए न्यायिक पुनराविनोकन यानी न्यायिक समीक्षा की व्यवस्था का खलूसरूत उदाहरण है। लेकिन सबल है कि व्यायाम का अग्रह और राज्य के बावजूद अदालत में दायर की गई थी, लेकिन उसे अदालत ने खारिज कर दिया था।

लेकिन हमारे वैज्ञानिकों की प्रतीक्षा और संकलन ने उस अशुभ विचार के बावजूद अदालत की व्यायाम की व्यवस्था का अधिक लोगों के लिए भी अपनाए गए न्यायिक पुनराविनोकन यानी न्यायिक समीक्षा की व्यवस्था का खलूसरूत उदाहरण है। लेकिन सबल है कि व्यायाम का अग्रह और राज्य के बावजूद अदालत में दायर की गई थी, लेकिन उसे अदालत ने खारिज कर दिया था।

लेकिन हमारे वैज्ञानिकों की प्रतीक्षा और संकलन ने उस अशुभ विचार के बावजूद अदालत की व्यायाम की व्यवस्था का अधिक लोगों के लिए भी अपनाए गए न्यायिक पुनराविनोकन यानी न्यायिक समीक्षा की व्यवस्था का खलूसरूत उदाहरण है। लेकिन सबल है कि व्यायाम का अग्रह और राज्य के बावजूद अदालत में दायर की गई थी, लेकिन उसे अदालत ने खारिज कर दिया था।

लेकिन हमारे वैज्ञानिकों की प्रतीक्षा और संकलन ने उस अशुभ विचार के बावजूद अदालत की व्यायाम की व्यवस्था का अधिक लोगों के लिए भी अपनाए गए न्यायिक पुनराविनोकन यानी न्यायिक समीक्षा की व्यवस्था का खलूसरूत उदाहरण है। लेकिन सबल है कि व्यायाम का अग्रह और राज्य के बावजूद अदालत में दायर की गई थी, लेकिन उसे अदालत ने खार

